

SHRI RAM NAIK: Madam, the information regarding the exact quantity produced is not available right now. I will supply the information to the hon. Member. The royalty that is payable, as on now, has been paid, and is being paid, and will also be paid, as per the schedule that had been finalised.

SHRIMATI VANGA GEETHA: Madam Deputy Chairperson, the hon. Minister, in his reply, has stated, "The ONGC has a 40 per cent participating interest." I would like to know who are those participants who are exploring the gas. Is there any proposal with the ONGC for its effective utilisation?

SHRI RAM NAIK: Madam, there are four other partners in the joint venture. I would send the names of those partners to the hon. Members. And, wherever gas comes out would be supplied through the grid. There is a gas Linkage Committee. That Committee decides as to whom the gas has to be supplied, on the basis of demand which had been given to the Committee.

डा. अलादी पी. राजकुमार: महोदया, आपके माध्यम से मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि इन्होंने अभी-अभी अपने उत्तर में कहा है कि एक रूल बना है कि जो प्राइवेट कंपनीज हैं, जो गैस निकालती हैं, वे स्वेच्छा से, मनमाने ढंग से रेट फिक्स कर सकती हैं। क्या इस पर कोई पाबंदी है कि मनमाने ढंग से रेट फिक्स करने में गवर्नमेंट का हाथ रहेगा? क्या कंट्रोल रहेगा? यह मैं जानना चाहता हूँ।

श्री राम नाईक: मैंने मनमानी नहीं कहा, मैंने कमर्शियल कंसीडरेशन कहा है। इसका मतलब यह होता है कि बेचने वाला बेचता है और लेने वाला लेता है।

डा. अलादी पी. राजकुमार: मैडम, मतलब तो वही है। जो उनका डिक्लेशन है वह कारटेला बन गया तो वह जनता के ऊपर पड़ता है।

श्री राम नाईक: इसमें कोई हाई प्रोफिटियरिंग नहीं करेगा।

डा. अलादी पी. राजकुमार: वही तो मैं पूछ रहा हूँ कंट्रोल है क्या यहां पर?

श्री राम नाईक: मैं बता रहा हूँ कि इसमें हाई प्रोफिटियरिंग नहीं करेगा, यह देखने का काम जो बोर्ड बनेगा, वह करेगा। जब तक रेग्युलेटरी बोर्ड नहीं बनता है because the Bill has been submitted to Parliament, and it is yet to be passed. But as long as the Bill is not passed, and it does not become an Act, whatever work is expected to be done by the Board, the Ministry will be doing that.

**महानगरों के हवाई अड्डों को विश्वस्तरीय स्वरूप देना**

\*203. श्री मोती लाल चोरा: क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश के चारों महानगरों के हवाई अड्डों को विश्वस्तरीय स्वरूप देने का निर्णय किया है;

- (ख) यदि हां, तो इन हवाई अड्डों में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के मुकाबले क्या-क्या कमियां हैं;
- (ग) उपरोक्त हवाई अड्डों को विश्वस्तरीय स्वरूप देने के लिए सरकार ने क्या समय-सीमा निर्धारित की है; और
- (घ) सरकार इस कार्य के लिए प्रत्येक हवाई अड्डे पर कितना धन खर्च करने जा रही है?
- नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद येसो नाईक): (क) से (घ) एक विवरण को सदन के पटल पर रख दिया गया है।

### विवरण

(क) से (घ) मानकों, सेवाओं तथा परिवेश की बेहतरी के माध्यम से हवाई अड्डों का उन्नयन करना एक सतत प्रक्रिया है। यह आपरेशनल जरूरतों तथा फंड की उपलब्धता पर आधारित होती है। दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई तथा कोलकाता के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का इसी प्रकार से उन्नयन किया गया है। नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पूंजीगत कार्यों पर किए गए व्यय की सूचना तथा दसवीं पंचवर्षीय योजना में किए गए प्रावधान से संबंधित विवरण I संलग्न है। इसके अतिरिक्त सरकार ने इन चार महानगरीय शहरों में स्थित हवाई अड्डों की पुनर्संरचना करने का निर्णय लिया है ताकि निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित किया जा सके और आधुनिक तकनीक, सुविधाओं तथा प्रबंधकीय निपुणता से युक्त विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप इन हवाई अड्डों का उन्नयन किया जा सके।

### विवरण-I

#### प्रस्तावित परिव्यय

क्र० सं०	हवाई अड्डे का नाम	नौवीं पंचवर्षीय योजना (करोड़ रुपए में)	दसवीं पंचवर्षीय योजना (करोड़ रुपए में)
1.	दिल्ली	127.04	814.58
2.	मुम्बई	195.51	553.26
3.	चेन्नई	33.85	284.84
4.	कोलकाता	35.07	242.25

### International look to the airports at metropolitan cities

†203. SHRI MOTILAL VORA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government have decided to give international look to the airports at all the four metropolitan cities of the country;

†Original notice of the question was received in Hindi.

(b) if so, what are the short-comings in these airports in comparison to the International standards;

(c) what is the time-limit fixed by Government to give an international look to these airports; and

(d) what is the quantum of amount Government are going to spend on each airport for this work?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI SHRIPAD YESSO NAIK): (a) to (d) A Statement is laid on the table of the House.

### **Statement**

#### *Regarding international look to the airports at the four metropolitan cities*

Upgradation of airports through improvement in standards, services and ambience is an ongoing process, based on operational requirements and availability of funds. The international airports at Delhi, Mumbai, Chennai and Kolkata are also upgraded accordingly. Airport-wise information regarding expenditure incurred on capital works during the Ninth Five Year Plan and provision for Tenth Five Year Plan is enclosed as Statement-I. In addition, Government have decided to restructure the airports at these four metropolitan cities to attract private sector investment and upgrade these airports to world class standards, with latest technology, facilities and managerial skill.

### **Statement-I**

#### *Airport-wise information on expenditure incurred during Ninth Five Year Plan and provisions made for Tenth Five Year Plan on capital works at Delhi, Mumbai, Chennai and Kolkata Airports*

S. No.	Name of the Airport	Proposed outlay	
		Ninth Five Year Plan (Rupees in Crores)	Tenth Five Year Plan (Rupees in Crores)
1.	Delhi	127.04	814.58
2.	Mumbai	195.51	553.26
3.	Chennai	33.85	284.84
4.	Kolkata	35.07	242.25

**श्री मोती लाल बोरा:** उपसभापति महोदया, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों में क्या-क्या विशेष प्रबंध करने की आवश्यकता है? इन हवाई अड्डों में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर वर्तमान में कौन-सी कमियाँ हैं?

**उपसभापति:** यह तो आपका सवाल ही है। मतलब यह तो सवाल में भी लिखा है।

**श्री मोती लाल बोरा:** जी हाँ, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि जो अंतर्राष्ट्रीय मानदण्ड हैं, उनके अनुसार हमारे हवाई अड्डों में क्या विशेष प्रबंध करने की आवश्यकता है तथा हमारे हवाई अड्डों में कौन-कौन सी कमियाँ परिलक्षित हुई हैं?

**श्री श्रीपाद येसोनाईक:** उपसभापति महोदया, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है, उसके संबंध में बताना चाहूँगा कि हमारे चार मेट्रो एयरपोर्ट हैं, इनके बारे में जनवरी, 2000 में सरकार ने घोषित किया था कि ये वर्ल्ड क्लास एयरपोर्ट हो जाएँ, इसका 2002 में एक डिसेंजन हुआ था। इसका इम्प्लिमेंटेशन करने का लिए, ऐक्ट में थोड़ा-बहुत बदलाव करने के लिए, रिस्ट्रक्चर करने के लिए, हमारा जो स्टैंडर्ड है वह वर्ल्ड क्लास का नहीं है। इस पर बहुत काम करना है। इसलिए इन चार मेट्रो एयरपोर्ट्स के बारे में हमने जो अमेंडमेंट भेजा था, बिल भेजा था वह स्टैंडिंग कमेटी के पास गया था। स्टैंडिंग कमेटी ने अभी 21 नवम्बर को रिपोर्ट दे दी है। अब तक हमारे पास पहुंची नहीं है। यह जो क्राइटेरिया है ... (व्यवधान)

**उपसभापति:** सेप्टेम्बर से अब तक आई नहीं। प्लेन लेट हो गया क्या?

**श्री श्रीपाद येसोनाईक:** नहीं, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन ने 21 नवम्बर को सबमिट की है..

**एक माननीय सदस्य:** कमियाँ पूरी हैं।

**श्री श्रीपाद येसोनाईक:** कमियाँ तो हैं ..... (व्यवधान) कमियाँ तो बहुत हैं।

**उपसभापति:** बता दीजिए क्या हैं।

**श्री श्रीपाद येसोनाईक:** मैडम, अभी 21 क्राइटेरिया हैं। ये जो 21 क्राइटेरिया हैं, ये मैं बताता हूँ। पूरा, ओवर आल उसमें हमें इम्प्रूवमेंट करना है। पहला है—Overall satisfaction with airport दूसरा है—ease of finding your way through airport/signposting, flight information screens, availability and qualities of baggage carts, appearance and courtesy of airport operational staff, restaurant and eating facilities, shopping facilities, washrooms, waiting areas/lounges, parking facilities, ambience of the airport, etc.

**उपसभापति:** आप टेबुल पर रख दीजिए।

**श्री श्रीपाद येसोनाईक:** 20-21 हैं। इसमें सभी में हमको सुधार करना है और हमारा बहुत बड़ा काम है।

श्री मोती लाल बोरा: इनमें क्या क्या कमियां हैं। इन कमियों को रहते हुए क्या इन हवाई अड्डों पर आप वायुयान सेवा को जारी रखेंगे?.... (व्यवधान)

श्री श्रीपाद येसोनाईक: मैडम, मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हूँ कि इतना होते हुए भी कुछ काम हमने हर एयरपोर्ट पर, जो हमारे चार मेट्रो एयरपोर्ट हैं, उन पर किए हैं। गए साल मैं हमने कम से कम एक सौ करोड़ रुपये के काम इन एयरपोर्ट्स पर किए हैं। जो काम हमने किए हैं उनका ब्योरा मैं माननीय सदस्य को दे सकता हूँ।

श्री मोती लाल बोरा: मेरा दूसरा सप्लीमेंटरी है। माननीय उपसभापति महोदया, इन चार हवाई अड्डों की पुनर्रचना करने का निर्णय कब लिया गया था तथा निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करने की दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है?

श्री श्रीपाद येसोनाईक: मैडम, जैसा मैंने बोला, 2002 में यह निर्णय किया गया था और स्टैंडिंग कमेटी की रिपोर्ट अभी 21 नवम्बर को पहुंची है। इसका अध्ययन करने के बाद हम इसकी ओर जाएंगे।

श्री मोती लाल बोरा: मैंने बहुत सीधा प्रश्न पूछा था, निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करने की दिशा में अब तक आपकी क्या प्रगति हुई है।

उपसभापति: उन्होंने प्रगति यह बतायी कि स्टैंडिंग कमेटी की रिपोर्ट 21 नवम्बर को आई है। उसके पश्चात् ये उसमें चलेंगे.... (व्यवधान)

SHRI DINESH TRIVEDI: Madam, my question is rather technical. Airports should not only have good buildings, but, technically also, they should be comparable with the world standards. During winters, pilots have to land aircraft in bad weather conditions, that is, even when there is a thick fog. I would like to know from the Hon. Minister whether our major airports are fully equipped with category 3 Instrument Landing System, which enables the pilots to land aircraft automatically, without compromising on the safety of passengers. If yes; then, are the pilots trained for that? If the Hon. Minister's reply is in the affirmative, it would mean that in this winter, flights would not get delayed due to fog.

श्री श्रीपाद येसोनाईक: मैडम, माननीय सदस्य जो चाहते हैं, वे सभी इक्विपमेंट हमने चारों एयरपोर्ट्स पर बैठाए हुए हैं। 11 सेप्टेम्बर के बाद हमें वहां से ट्रेनर यहां लाने थे। ट्रेनर हम लाने वाले थे लेकिन 11 सेप्टेम्बर के बाद पायलट्स को ट्रेनिंग देने वाले हम यहां ला नहीं सके। हमारे पास इक्विपमेंट है। लेकिन पायलट्स ट्रेन्ड नहीं हैं, इसलिए काम थोड़ा रुका हुआ है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: No; no. (Interruptions). the question is:

When is the Automatic Landing Machinery System, which helps safe landing of planes in fog, going to be made functional? this is what the Hon. Member wanted to know.

श्री श्रीपाद येसोनाईक: मैडम, फंक्शन तो हो रही है। फरिन फ्लाईट आ रही है और इसका यूज कर रही है, लेकिन हमारे पायलट अभी ट्रेड नहीं हुए हैं।

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Madam Deputy Chairman, with regard to the expenditure incurred on capital works on these airports, two sets of figures have been given in the reply. One set relates to the expenditure which has already been incurred on these airports during the Ninth Five-Year Plan and the other set relates to the proposed outlay in the Tenth Five-Year Plan. Madam, now, the first year of the Tenth Five-Year Plan is going on. Therefore, I would like to know from the Hon. Minister what amount has been allocated, this year, to upgrade these four airports to world-class standards.

श्री श्रीपाद येसोनाईक: मैडम, यह टैन्थ फाइव ईयर प्लान का जो आउटले है जो यहां हमने दिया हुआ है यह चारों एयरपोर्ट में.... (व्यवधान)

श्री प्रणव मुखर्जी : यह तो फर्स्ट ईयर चालू है। The year 2002-03 is the first year of the Tenth Five Year Plan. Please let me know what amount you have allocated for this year. If you don't have the figures right now please collect it and send it to me.

SHRI SHRIPAD YESSO NAIK: Okay, I will send it to you.

जमा राशियों पर ब्याज

†204. श्री राजीव रंजन सिंह 'सलन' :

श्री कपिल सिब्बल:

क्या वित्त और कंपनी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र की वित्तीय संस्थाओं में जमा राशियों पर ब्याज की दर गत तीन वर्षों के दौरान समय-समय पर कम की गई है;

(ख) यदि हां, तो मार्च, 1999 से अक्टूबर, 2002 की अवधि के दौरान ब्याज की दर कुल कितनी कम की गई है; और

(ग) मार्च, 1999 और अक्टूबर, 2002 के महीनों में वित्तीय संस्थाओं में जमा राशियों पर ब्याज की प्रचलित दरें कितनी-कितनी थीं?